CHETANA
International Journal of Education (CIJE)

Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)

Impact Factor
SJIF 2024 - 8.445

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति बी.एड. छात्राध्यापकों के दृष्टिकोण का अध्ययन

अंजू सिंह
शोधार्थी, *शिक्षा शास्त्र*
महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर (राजस्थान)
प्रोफेसर (डॉ) राम गोपाल शर्मा
शोध निर्देशक
राजकीय अध्ययन शिक्षण संस्थान, बीकानेर
Email: anju66515@gmail.com, Mobile-9828163626

First draft received: 05.04.2025, Reviewed: 18.04.2025
Final proof received: 11.05.2025, Accepted: 28.05.2025

सार-संक्षेप

विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम शिक्षक-प्रशिक्षण का एक अनिवार्य और व्यावहारिक घटक है, जो प्रशिक्षणार्थियों को वास्तविक शिक्षण अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। यह अध्ययन बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के इस कार्यक्रम के प्रति दृष्टिकोण को समझने हेतु किया गया, जिसमें लिंग और क्षेत्र (शहरी-ग्रामीण) के आधार पर दृष्टिकोण में अंतर की भी जाँच की गई। यह शोध राजस्थान राज्य के बीकानेर ज़िले में स्थित विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत कुल 100 बी.एड. छात्राध्यापकों (50 शहरी: 25 पुरुष व 25 महिला, 50 ग्रामीण: 25 पुरुष व 25 महिला) पर आधारित है। प्रदत्त संग्रह हेतु शोधकर्ता द्वारा निर्मित दृष्टिकोण मापनी का उपयोग किया गया। आंकड़ों के विश्लेषण हेतु t-परीक्षण (t-test) का प्रयोग किया गया। शोध में यह पाया गया कि महिला छात्राध्यापकों का दृष्टिकोण पुरुषों की तुलना में अधिक सकारात्मक था। इसी प्रकार, शहरी क्षेत्र के छात्राध्यापक इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति ग्रामीण छात्राध्यापकों की अपेक्षा अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। इसके अतिरिक्त, इंटर्नशिप के दौरान ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अधिक समस्याएं अनुभव की गईं, जो संसाधनों की कमी, मार्गदर्शन की अपर्याप्तता और शैक्षिक वातावरण से जुड़ी थीं। यह अध्ययन सुझाव देता है कि इंटर्नशिप कार्यक्रम को अधिक व्यावहारिक, मार्गदर्शित एवं समावेशी बनाया जाना चाहिए, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में। साथ ही, प्रशिक्षण संस्थानों को चाहिए कि वे लिंग और क्षेत्रीय विविधताओं को ध्यान में रखते हुए इंटर्नशिप अनुभव को अधिक सशक्त और प्रभावी बनाएं।

मुख्य शब्द : विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम, दृष्टिकोण मापनी, शिक्षक-प्रशिक्षण आदि.

प्रस्तावना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्यावहारिक प्रशिक्षण को अत्यधिक महत्त्व दिया गया है। इसके अंतर्गत **विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम** एक ऐसी सशक्त प्रक्रिया है, जो बी.एड. छात्राध्यापकों को शिक्षण कार्य का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करती है। यह न केवल उनके शैक्षिक सिद्धांतों को व्यावहारिक स्तर पर लागू करने का अवसर देता है, बल्कि कक्षा-प्रबंधन, पाठ योजना निर्माण, सहशैक्षिक गतिविधियों के संचालन और मूल्यांकन कौशल के विकास में भी सहायक होता है। इंटर्नशिप के माध्यम से छात्राध्यापक विद्यालयी परिवेश, विद्यार्थियों की विविधताओं, शिक्षकीय उत्तरदायित्वों और शिक्षक-समुदाय सहयोग की वास्तविकता को अनुभव करते हैं।

आज के प्रतिस्पर्धी एवं गुणात्मक शिक्षा पर केंद्रित युग में यह अत्यावश्यक हो गया है कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थी केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें वास्तविक कक्षा-कक्ष में शिक्षण-अधिगम की जटिलताओं से परिचित कराया जाए। विद्यालय इंटर्नशिप इस दिशा में एक व्यवहारिक कड़ी है, जो उनके समग्र व्यक्तित्व विकास में सहायक होती है। बी.एड. पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय इंटर्नशिप एक ऐसा अनुभवात्मक चरण है, जहाँ शिक्षक-प्रशिक्षुओं को विविधता पूर्ण कक्षा में अपने ज्ञान, योग्यता एवं शिक्षण-कला का वास्तविक अभ्यास करने का अवसर मिलता है। इस प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को निरंतर अपने ज्ञान को लचीला रखने और समयानुसार विस्तृत करने की आवश्यकता होती है। 21वीं सदी के परिवेश में यह अपेक्षा की जाती है कि भावी शिक्षक न केवल पाठ्य ज्ञान में दक्ष हों, बल्कि डिजिटल रूप से सशक्त, स्मार्ट शिक्षक, नवोन्मेषी विचारक

तथा प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में विकसित हों। अतः विद्यालय इंटर्नशिप, भावी शिक्षकों के लिए एक प्रयोगशाला की भांति कार्य करती है, जहाँ वे अपने सिद्धांतगत ज्ञान को व्यवहार में रूपांतरित कर, आधुनिक शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करते हैं । हालांकि, इस कार्यक्रम की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि बी.एड. छात्राध्यापक इस इंटर्नशिप को किस दृष्टिकोण से देखते हैं — क्या वे इसे एक बाध्यता मानते हैं या यह उनके पेशेवर विकास का सशक्त साधन है। अतः यह अत्यंत आवश्यक है कि उनके दृष्टिकोण का सम्यक रूप से अध्ययन किया जाए।

अध्ययन का औचित्य

विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम शिक्षक निर्माण की रीढ़ है। यदि छात्राध्यापक इसे गंभीरता, रुचि और सकारात्मकता के साथ ग्रहण करते हैं, तो यह उन्हें भावी उत्कृष्ट शिक्षक बनने की दिशा में अग्रसर करता है। परन्तु यदि उनके दृष्टिकोण में संकोच, उदासीनता या नकारात्मकता है, तो न केवल इंटर्नशिप का उद्देश्य निष्फल हो जाता है, बल्कि संपूर्ण प्रशिक्षण प्रक्रिया भी प्रभावित होती है।

अब तक किए गए शोधों में अधिकतर ध्यान इंटर्नशिप की प्रभावशीलता या उसकी संरचना पर दिया गया है, परन्तु प्रशिक्षणार्थियों के दृष्टिकोण का समग्र अध्ययन अपेक्षाकृत कम हुआ है। जबकि उनका दृष्टिकोण ही यह निर्धारित करता है कि वे इस कार्यक्रम से कितना सीखते हैं, इसे कितनी गंभीरता से लेते हैं और अपने शिक्षकीय आचरण में इसे किस रूप में आत्मसात करते हैं।

इस अध्ययन का औचित्य इसलिए भी है क्योंकि यह बी.एड. छात्राध्यापकों की सोच, अनुभव और भावनाओं को समझने का अवसर प्रदान करता है, जिससे शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थाएँ अपने कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावशाली तथा व्यवहारिक रूप में ढाल सकती हैं। इसके साथ ही यह नीति-निर्माताओं को भी विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम को पुनः संरचित करने, इसकी चुनौतियों को समझने तथा उसमें आवश्यक सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत प्रदान कर सकता है।

शोध के उद्देश्य

- लिंग (Gender) के आधार पर विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति छात्राध्यापकों के दृष्टिकोण में अंतर का अध्ययन करना।
- शहरी एवं ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत बी.एड. छात्राध्यापकों के दृष्टिकोण की तुलना करना।

परिकल्पनाएँ

- पुरुष एवं महिला बी.एड. छात्राध्यापकों के विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण अंतर है।
- शहरी एवं ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत बी.एड. छात्राध्यापकों के दृष्टिकोण में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। यह शोध राजस्थान राज्य के बीकानेर ज़िले में स्थित विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत कुल 100 बी.एड. छात्राध्यापकों (50 शहरी: 25 पुरुष व 25 महिला, 50 ग्रामीण: 25 पुरुष व 25 महिला) पर आधारित है। प्रदत्त संग्रह हेतु शोधकर्ता द्वारा निर्मित दृष्टिकोण मापनी का उपयोग किया गया। आंकड़ों के विश्लेषण हेतु t-परीक्षण (t-test) का प्रयोग किया है।

- **स्थान:** बीकानेर ज़िला, राजस्थान
- **कुल प्रतिभागी:** 100 बी.एड. छात्राध्यापक
- **वर्गीकरण - शहरी क्षेत्र:** 50 छात्राध्यापक (25 छात्र + 25 छात्राएं)

ग्रामीण क्षेत्र: 50 छात्राध्यापक (25 छात्र + 25 छात्राएं)

तालिका 1: लिंग के आधार पर बी.एड. छात्राध्यापकों के दृष्टिकोण का t-test विश्लेषण

लिंग	N	माध्य (Mean)	मानक विचलन (SD)	t मान t-value	df	p मान Significance	निष्कर्ष
पुरुष	50	112.45	8.32	2.18	98	0.032 ($p < 0.05$)	महत्वपूर्ण अंतर
महिला	50	116.30	9.11				

1) व्याख्या

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि पुरुष और महिला छात्राध्यापकों के विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति दृष्टिकोण में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर पाया गया ($t = 2.18$, $df = 98$, $p < 0.05$)। महिला छात्राध्यापकों का माध्य स्कोर अधिक (116.30) होने से यह स्पष्ट होता है कि उनका दृष्टिकोण अधिक सकारात्मक है।

तालिका 2: शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के छात्राध्यापकों के दृष्टिकोण का t-test विश्लेषण

क्षेत्र	N	माध्य (Mean)	मानक विचलन (SD)	t मान t-value	df	p मान Significance	निष्कर्ष
शहरी क्षेत्र	50	118.20	7.95	3.12	98	0.002 ($p < 0.01$)	अत्यंत महत्वपूर्ण अंतर
ग्रामीण क्षेत्र	50	111.10	8.74				

व्याख्या

तालिका से यह ज्ञात होता है कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड. छात्राध्यापकों के दृष्टिकोण में अत्यंत महत्वपूर्ण अंतर है ($t = 3.12$, $df = 98$, $p < 0.01$)। शहरी क्षेत्र के छात्राध्यापकों का माध्य (118.20) ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में अधिक है, जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि शहरी क्षेत्र के छात्राध्यापक विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं।

निष्कर्ष

- लिंग के आधार पर विश्लेषण में यह पाया गया कि महिला बी.एड. छात्राध्यापक विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति अपेक्षाकृत अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण रखती हैं। यह संभवतः उनके सहयोगी व्यवहार, भावनात्मक जुड़ाव तथा शिक्षण कार्य में संवेदनशीलता से संबंधित हो सकता है।

- क्षेत्रीय आधार पर तुलना से यह निष्कर्ष निकलता है कि शहरी क्षेत्र के बी.एड. छात्राध्यापकों का दृष्टिकोण ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में अधिक सकारात्मक है। यह भिन्नता संसाधनों की उपलब्धता, मार्गदर्शन की गुणवत्ता, स्कूल इन्फ्रास्ट्रक्चर, व शिक्षण-अधिगम परिवेश के अंतर के कारण हो सकती है।

शोध पर आधारित सुझाव

विद्यालय इंटर्नशिप की पूर्व तैयारी (Pre-Internship Orientation)

छात्राध्यापकों को इंटर्नशिप शुरू करने से पूर्व एक विस्तृत प्रशिक्षण (orientation) दिया जाए, जिसमें विद्यालय वातावरण, व्यवहार प्रबंधन, पाठ योजना निर्माण, मूल्यांकन प्रक्रिया तथा सहशैक्षिक गतिविधियों का व्यावहारिक अभ्यास शामिल हो।

महिला छात्राध्यापकों की सहभागिता को और सशक्त बनाया जाए

चूंकि महिला छात्राध्यापकों का दृष्टिकोण अधिक सकारात्मक पाया गया, अतः उनकी शिक्षण गतिविधियों को नेतृत्व भूमिकाओं से जोड़ा जाए ताकि उनका आत्मविश्वास और व्यावसायिक विकास और अधिक प्रगाढ़ हो सके।

ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थानों में संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाई जाए

अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्राध्यापक तुलनात्मक रूप से अधिक समस्याओं का सामना करते हैं। अतः आवश्यक है कि वहाँ ICT सुविधाएं, प्रशिक्षण पुस्तिकाएं, शिक्षक मार्गदर्शक, और इंटर्नशिप समर्थन तंत्र को सुदृढ़ किया जाए।

शहरी-ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग स्थापित किया जाए

शहरी और ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थानों के बीच इंटर्नशिप अनुभव साझा करने के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, जिससे विविध अनुभवों से छात्राध्यापक एक-दूसरे से सीख सकें।

इंटर्नशिप मूल्यांकन को अधिक व्यवस्थित और उद्देश्यपरक बनाया जाए

मूल्यांकन केवल पाठ निरीक्षण पर आधारित न होकर, व्यावसायिक नैतिकता, समस्या समाधान, नवाचार, एवं विद्यार्थियों के साथ संबंध जैसे आयामों पर आधारित होना चाहिए।

शिक्षक मार्गदर्शकों की भूमिका को स्पष्ट और सक्रिय किया जाए

इंटर्नशिप के दौरान प्रत्येक छात्राध्यापक को एक प्रशिक्षित शिक्षक मार्गदर्शक प्रदान किया जाए, जो समय-समय पर मार्गदर्शन, प्रतिपुष्टि एवं प्रेरणा दे सके।

लिंग संवेदनशील गतिविधियाँ विकसित की जाएं

पुरुष छात्राध्यापकों में दृष्टिकोण को और सकारात्मक बनाने के लिए समानुभूति, संवेदनशीलता और संवाद आधारित शिक्षण कौशल पर कार्यशालाएँ आयोजित की जाएं।

इंटर्नशिप अनुभवों का नियमित फीडबैक लिया जाए

इंटर्नशिप के दौरान छात्राध्यापकों से नियमित फॉर्मेटिव फीडबैक लिया जाए ताकि उनकी चुनौतियों का शीघ्र समाधान किया जा सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप इंटर्नशिप का पुनर्गठन

इंटर्नशिप कार्यक्रम को NEP 2020 के अनुसार समावेशी, बहु-अनुशासनात्मक व नवाचारयुक्त बनाया जाए, ताकि प्रशिक्षणार्थी व्यावहारिक ज्ञान को समग्र रूप में आत्मसात कर सकें।

शोध आधारित शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाए

बी.एड. पाठ्यक्रम में कार्य-आधारित शोध गतिविधियाँ शामिल की जाएं, जिनके अंतर्गत छात्राध्यापक अपने इंटर्नशिप अनुभवों को अनुसंधान के रूप में प्रस्तुत करें।

संदर्भ सूची

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय (2020)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020। भारत सरकार, नई दिल्ली।
- अग्रवाल, जे. सी. (2018)। शिक्षक और विकासशील समाज में शिक्षा। नोएडा: विकास पब्लिशिंग हाउस।
- बत्रा, पुष्पा (2014)। शिक्षक गुणवत्ता पर पुनर्विचार: भारत रिपोर्ट। यूनेस्को, पेरिस।
- राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (2014)। बी.एड. कार्यक्रम हेतु मानदंड एवं मापदंड। एनसीटीई, नई दिल्ली।
- शर्मा, आर. ए. (2021)। शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी। मेरठ: आर. लाल बुक डिपो।
- यूनेस्को (2016)। शिक्षक नीति विकास मार्गदर्शिका। पेरिस: यूनेस्को प्रकाशन।
- शर्मा, मृदुला (2024) शिक्षक पुनर्निर्माण: एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा शास्त्र और विषय वस्तु ज्ञान का सहक्रियात्मक संलयन। अधिगम शैक्षिक शोध पत्रिका,अंक 30, पृष्ठ संख्या 35-44
- कौर, रंजीत एवं सिंह, हरप्रीत (2020)। "विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रति शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, खंड 8(3), पृष्ठ 112-120।
- चौधरी, संगीता (2019)। "शिक्षक शिक्षा संस्थानों में इंटर्नशिप कार्यक्रम की प्रभावशीलता"। स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर ह्यूमैनिटी, साइंस एंड इंग्लिश लैंग्वेज, खंड 7(37), पृष्ठ 8876-8884।
- एन.सी.ई.आर.टी. (2005)। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF)। नई दिल्ली: राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद।
- यादव, सुमन एवं सिन्हा, रश्मि (2022)। "शहरी एवं ग्रामीण बी.एड. छात्राध्यापकों के विद्यालय इंटर्नशिप के प्रति दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन"। इंडियन जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशन, खंड 9(1), पृष्ठ 65-72।